



२५/१२/२५ पत्रावली पेश हुई / वकील उमपपक्ष उपस्थित / पत्रावली  
वाली आदेश दिनांक २२/०१/२६ को पेश हो।

  
२५/१/२६

२२/०१/२६ पत्रावली पेश हुई / वकील उमपपक्ष उपस्थित / प्रशासिका  
अस्तित्व के आदेश नहीं लिखा गया /  
पत्रावली वाली दिनांक ०९/०३/२०२६ को पेश हो।

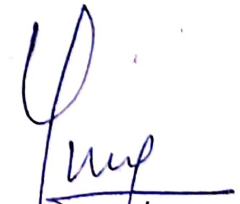
  
२२/०१/२६

०९/०३/२६ पत्रावली पेश हुई / वकील उमपपक्ष उपस्थित / वकील  
प्रावण के परिपेक्ष्य में पत्रावली का अवलोकन  
किया गया / इसी तयारप से निर्धारित तारीख दुस्ती  
प्रकरण एनो १४८/२०२५ उनवान नारायण बनाम सोहनलाल,  
TDR Raipur को मौका रिपोर्ट दिनांक १९/११/२०२५,  
०२/११/२०२५ व ३०/१२/२०२५ का भी अवलोकन किया  
गया / प्रार्थी के खण्ड ११/१४ एवं अप्रार्थी १ के  
खण्ड १४ को राज्य नक्शे में गलत तारीख हो  
रखी है जिससे विवाह उत्पन्न होना बाहिर होता  
है। तारीख दुस्ती के आदेश प्रकरण एनो १४८/२०२५  
में दिखे जा चुके हैं। प्रार्थी की आराज्य मौत  
पर वकील से पढ़ा पडा होना जबकि अप्रार्थी १  
द्वारा अपनी कृमि पर वकील कल्पा काश्त होने की  
बाहिर होता है। अतः ना तो अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी



<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज</p>	<p>न अ हु</p>
	<p>के माधुकारी का हतन करना और वा ही प्राप्ति को अपूर्णता खाते कार्रवाई होना चाहिए होता है। प्राप्ति की मूल से लेकर मर्चा से ही प्रचालित रहना व खाल बना होना चाहिए होता है। अतः प्रकरण प्रथम दृष्टया व सुविधा सतुल्य हाकिम गरीबों</p> <p>२. उपरोक्त विवेचन व विश्लेषण के आधार पर प्राप्ति का प्रस्ताव प/स शर RT Act खारिज किया जाता है। प्रकरण फैसल मुमाल लेकर मर्चा से काम लेकर मूलदास के साथ सलजम है।</p>	



  
 उपखण्ड अधिकारी  
 पिठावा, जिला झारखण्ड (सक.)